टेर सुनो सावल सा माहरी कहियाँ सूतियाँ हो

भूल हुई काई हे कइयाँ रूस्या हो,
टेर सुनो सावल सा माहरी कहियाँ सूतियाँ हो,

घनी मिनत करू थारी भुला दो भुला थे माहरी,
अगर थे न सुनेगा तो बताओ सुन सी कुन माहरी,
टाबरियां कानि क्यों अँखियाँ मीचा हो,
टेर सुनो सावल सा माहरी कहियाँ सूतियाँ हो,

बड़ो हु ववाला बाबा बनाओ सावलो बाबा,
करो किरपा दयालु मैं घना उतावलो बाबा,
काना में थारे के किया बीचा हो,
टेर सुनो सावल सा माहरी कहियाँ सूतियाँ हो,

भगत नादाँ है बाबा छमा को दान द्यु बाबा,
घणो दुःख को सतायो हो जरा सो ध्यान दो बाबा,
हर्ष भगत ने क्यों भुलाया बैठाया हो,
टेर सुनो सावल सा माहरी कहियाँ सूतियाँ हो,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11537/title/ter-suno-sawal-sa-mahari-kahiyan-sutiyan-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |